ISSN: 2393-8048
An International Conference on Basic Education & Computers in India
Sri Vinayak Mahavidhalya, Sri Vijaynagar, Rajasthan
11 June 2017

हिंदी कहानी में मुस्लिम स्त्री जीवन का चित्रण

Poonam lata Middha, Research Scholar, Department of Hindi, JRN university, Udaipur

सारांश

हिंदी कहानी ने भारतीय समाज के विभिन्न वर्गों और समुदायों के जीवन-संघर्षों को संवेदनशीलता के साथ अभिव्यक्त किया है। इसी क्रम में मुस्लिम स्त्री जीवन का चित्रण समकालीन हिंदी कहानी का एक महत्वपूर्ण पक्ष है। प्रस्तुत शोध-पत्र का उद्देश्य हिंदी कहानियों में मुस्लिम स्त्री के सामाजिक, पारिवारिक, सांस्कृतिक और व्यक्तिगत जीवन के विविध रूपों का विश्लेषण करना है। मुस्लिम स्त्री के जीवन को प्रभावित करने वाली शिक्षा, विवाह, परिवार, आर्थिक निर्भरता, सामाजिक रूढ़ियाँ, पितृसत्तात्मक व्यवस्था, पहचान तथा आत्मनिर्णय जैसे प्रश्न हिंदी कहानी में प्रमुखता से उभरते हैं।कहानीकारों ने मुस्लिम स्त्री को केवल परंपरा और रूढ़ियों से बंधे चरित्र के रूप में प्रस्तुत नहीं किया है, बल्कि उसके भीतर विकसित होती आत्मचेतना, संघर्षशीलता और स्वतंत्र अस्तित्व की आकांक्षा को भी अभिव्यक्ति दी है। अनेक कहानियों में स्त्री पारिवारिक एवं सामाजिक दबावों के बीच अपनी पहचान स्थापित करने का प्रयास करती दिखाई देती है। साथ ही, उसकी समस्याओं को केवल धार्मिक संदर्भ में देखने के बजाय व्यापक सामाजिक, आर्थिक और लैंगिक संदर्भों से जोड़कर प्रस्तुत किया गया है।यह अध्ययन स्पष्ट करता है कि हिंदी कहानी में मुस्लिम स्त्री का चित्रण बहुआयामी है, जिसमें परंपरा और आधुनिकता, अधिकार और दायित्व, परिवार और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच निरंतर संवाद दिखाई देता है। इस प्रकार हिंदी कहानी मुस्लिम स्त्री के जीवन की जटिलताओं को सामने लाते हुए स्त्री अस्मिता, सामाजिक समानता और मानवीय गरिमा के प्रश्नों को महत्वपूर्ण स्थान देती है।

बीज शब्द: मुस्लिम स्त्री, हिंदी कहानी, स्त्री विमर्श, स्त्री अस्मिता, सामाजिक यथार्थ, पितृसत्ता, सांस्कृतिक चेतना, महिला सशक्तिकरण।